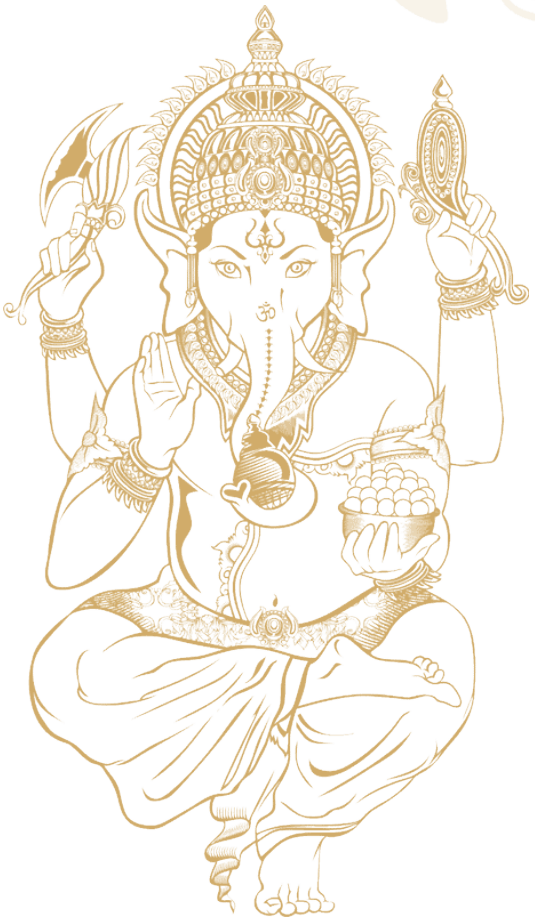

a

priyanka

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121306401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121306401 Date: 17/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1993	जन्म तिथि	20/12/2001
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:35:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 03:49:09	जन्म समय(घटी)	21:41:09 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:20	सूर्योदय	07:19:32
18:42:20	सूर्यास्त	17:25:14
23:46:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:47

कन्या	लग्न	वृष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मेष	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	शतभिषा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	1
ध्रुव	योग	वज्र
तैतिल	करण	कौलव
ली-लीलाधर	जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 18वर्ष 10मा 5दि		08:35:44	कन्या	लग्न	वृष	14:52:19	राहु 15वर्ष 9मा 27दि	
चन्द्र		19:43:44	सिंह	सूर्य	धनु	04:43:33	गुरु	
12/07/2018		14:06:07	मेष	चंद्र	कुंभ	08:16:38	17/10/2017	
12/07/2028		22:16:51	कन्या	मंगल	कुंभ	14:32:13	17/10/2033	
चन्द्र	13/05/2019	26:47:33	सिंह	बुध	धनु	13:25:11	गुरु	06/12/2019
मंगल	12/12/2019	22:21:27	कन्या	गुरु व	मिथु	18:19:37	शनि	18/06/2022
राहु	12/06/2021	17:28:26	कर्क	शुक्र	वृश्चि	28:43:51	बुध	23/09/2024
गुरु	12/10/2022	01:55:19	कुंभ व	शनि व	वृष	16:15:13	केतु	30/08/2025
शनि	12/05/2024	12:54:31	वृश्चि व	राहु व	मिथु	03:15:52	शुक्र	30/04/2028
बुध	11/10/2025	12:54:31	वृष व	केतु व	धनु	03:15:52	सूर्य	16/02/2029
केतु	12/05/2026	24:38:37	धनु व	हर्ष	मक	28:04:47	चन्द्र	18/06/2030
शुक्र	11/01/2028	24:45:30	धनु व	नेप	मक	13:10:57	मंगल	25/05/2031
सूर्य	12/07/2028	29:16:37	तुला	प्लूटो	वृश्चि	21:43:51	राहु	17/10/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:24 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:47

लग्न-चलित

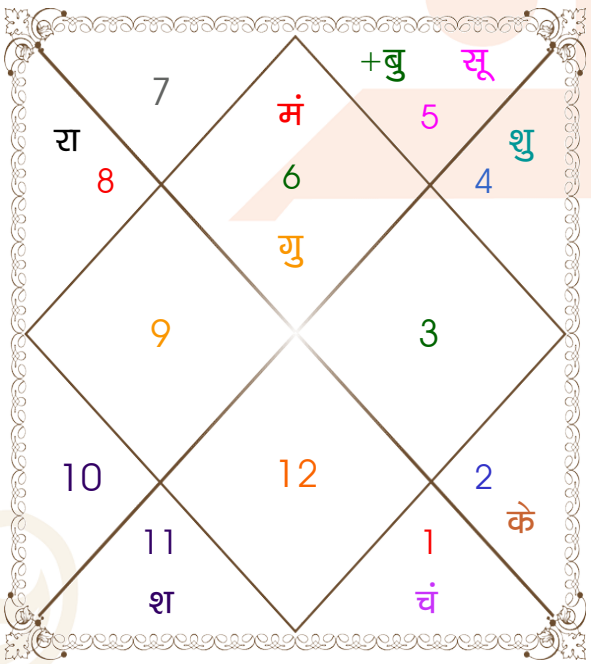

लग्न-चलित

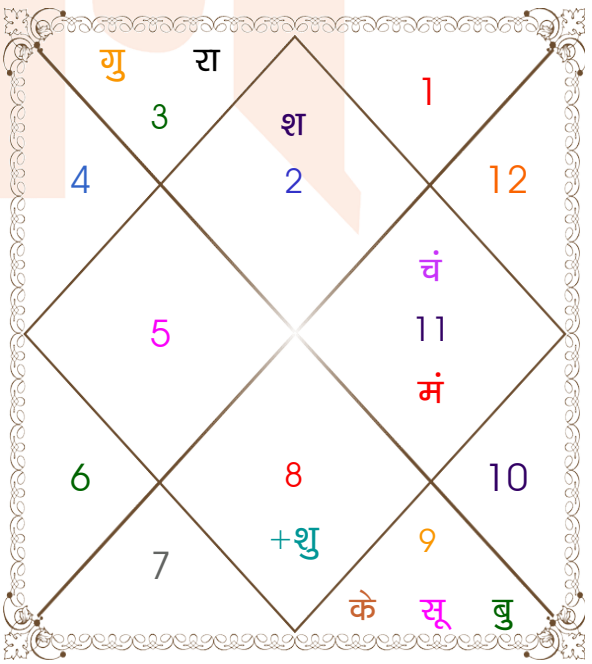

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

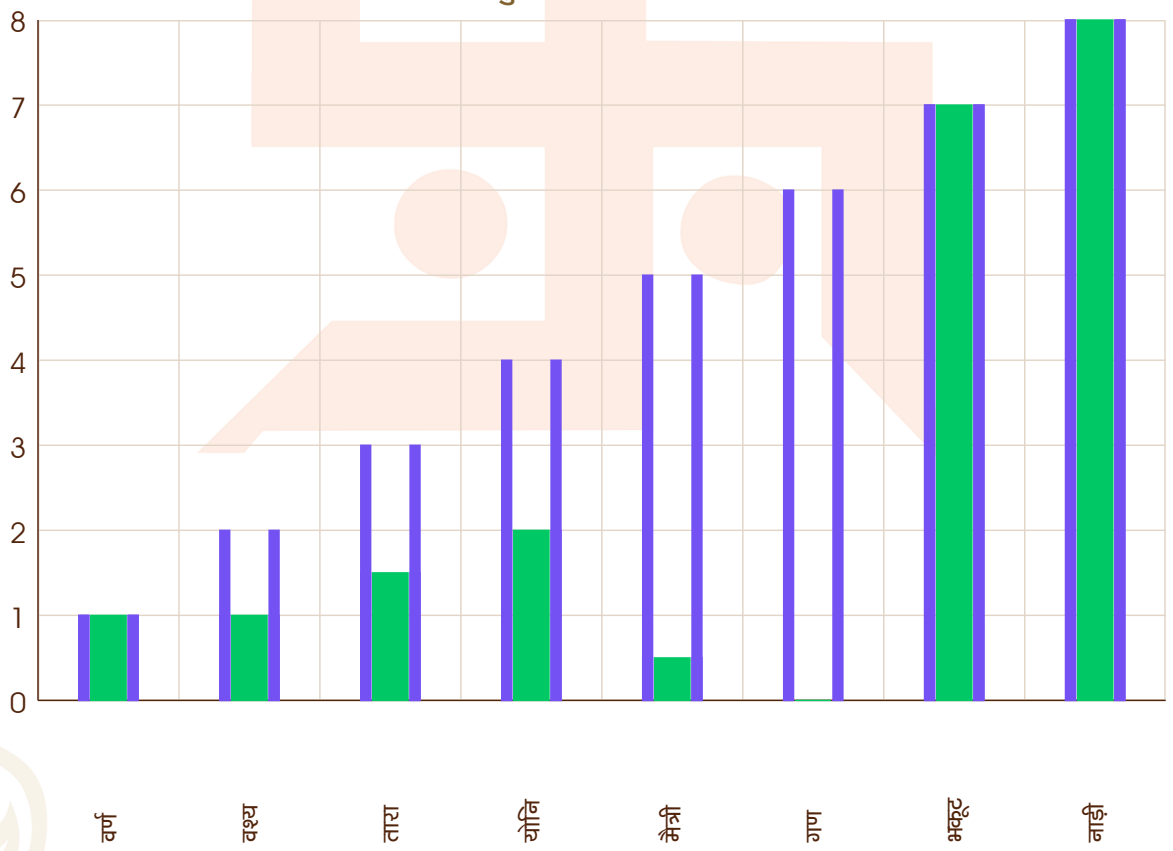

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनोa के राशि स्वामियोa मे मित्रता नहीं है।

a का वर्ग मृग है तथा priyanka का वर्ग मार्जार है। इन दोनोa वर्गोa मेa परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार a और priyanka का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

a मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa प्रथम भाव मेa स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि मेa होa तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवa गुरु a कि कुण्डली मेa एक राशि मेa हैa अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

priyanka मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa दशम् भाव मेa स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली मेa 1,4,7,8,12 वेa भावोa मेa हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावोa मेa होa तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि priyanka कि कुण्डली मेa प्रथम भाव मेa स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

a तथा priyanka मेa मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवa मंगलीक दोष न होने के कारण दोनोa का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

a का वर्ण क्षत्रिय तथा priyanka का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से priyanka वैश्विक मा की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा a से कभी तर्क-वितर्क नही करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

a का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं priyanka का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनो के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते है किंतु फिर भी दोनो एक-दूसरे के सान्निध्य मे रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार a एवं priyanka एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी priyanka क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

a की तारा साधक तथा priyanka की तारा प्रत्यरि है। priyanka की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह a एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। priyanka का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने मे ही लगी रह सकती है। साथ ही priyanka के अवैध संबंध तक भी हो सकते है जिसके फलस्वरूप पति, बच्चो एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। a अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियो मे ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

a की योनि गज है तथा priyanka की योनि अश्व है। अर्थात दोनो की योनि समान नही है और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनो के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन मे सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनो के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार मे तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनो के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनो एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनो के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनो के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनो के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनो के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बीच मेa कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या मेa से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनोa के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन मेa अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन मेa सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनोa को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारोa मेa भिन्नता होगी एवa जीवन मेa उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनोa लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनोa के बीच रोमांस एवa सेक्स मेa रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद मेa तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस मेa प्रेम एवa सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान मेa ग्रह मैत्री कूट मेa a का राशि स्वामी priyanka के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि priyanka का राशि स्वामी a के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीa माना जाता है। दोनोa के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवa बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवa मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

a का गण मनुष्य तथा priyanka का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीa है। अतः priyanka का निर्दयी, निष्ठुर एवa कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण a एवa उसके परिवार के सदस्योa का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवa मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

a से priyanka की राशि एकादश भाव मेa स्थित है तथा priyanka से a की राशि तृतीय भाव मेa स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण a परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियोa तथा पूरे समाज की आंखोa का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर priyanka हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयa भी व्यावसायिक गतिविधियोa मेa लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर

के प्रबंधन मेa महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

a की नाड़ी मध्य है तथा priyanka की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनोa की नाड़ी समान नहीa है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवa मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनोa जीवनी शक्तियोa वात, पित्त एवa कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवa स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

a की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि priyanka की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवa वायुतत्व मेa मित्रता के कारण इनके परस्पर संबधोa मेa मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही priyanka a की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि a priyanka को यथोचित सहयोग प्रदान करेa तो जीवन मेa मधुरता के भावोa मेa वृद्धि हो सकती है।

a का राशि स्वामी मंगल priyanka की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा priyanka का राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवa सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग मेa समस्याओa दोनोa तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधोa मेa मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबधोa मेa स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

a और priyanka की राशियाa परस्पर एकादश एवa तृतीय भाव मेa पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवa परस्पर संबधोa मेa ईमानदारी स्नेह एवa आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदोa को आप आपस मेa स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति मेa वृद्धि होगी।

a का वश्य चतुष्पद तथा priyanka का वश्य मानव है। इनमेa नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरूचियोa मेa अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवa भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने मेa यत्न से ही सफलता मिलेगी।

a का वर्ण क्षत्रिय तथा priyanka का वर्ण शूद्र है। अतः a कार्य क्षेत्र मेa प्रभावी पराक्रमी तथा परिश्रमी होंगे तथा priyanka मेa कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

धन

a और priyanka की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने मेa दम्पति सफल होंगे। a एवa priyanka की राशि परस्पर तृतीय एवa एकादश भाव मेa पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से a और priyanka की आर्थिक स्थिति मेa सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता मेa वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतोa मेa वृद्धि होगी।

a को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा मेa लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार a और priyanka धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने मेa समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

a की नाड़ी मध्य तथा priyanka की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियोa मेa जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओa से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु priyanka के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगोa से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगोa से भी उनको जीवन मेa यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओa मेa न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से a और priyanka का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हेa उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमेa अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चोa के जन्म मेa भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने मेa आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त a और priyanka के पुत्र एवa कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय मेa priyanka के मन मेa पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन priyanka को इस विषय मेa किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल मेa priyanka को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवa आकर्षक बच्चोa को जन्म देने मेa सफल होंगी। साथ ही स्वयa भी स्वस्थ एवa प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से a और priyanka सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र मेa अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमेa विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार a और priyanka का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

priyanka के अपनी ससुराल के लोगोa से संबधोa मेa वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने मेa कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि priyanka धैर्य एवa बुद्धिमता से कार्य लेa तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवa ननदोa से priyanka के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवa सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवa आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवa ननद से भी priyanka का

व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी priyanka से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगोa से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

a की सास से संबधोa मेa मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधोa मेa औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदोa की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर a सपत्नीक ससुराल के लोगोa से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन a ससुर के साथ मधुर संबधोa मेa नित्य वृद्धि करने मेa समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवa बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हेa उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवa सालियोa से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवa स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगोa का a के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगोa से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।